अमरपुरी

"प्रवर्त्तक सदैव बलिदानी वीर होते हैं। आदि काल से बलिदानी वीर ही सुधारान्दोलनों के प्रवर्त्तक होते आये हैं। हमेशा वे ही प्रवर्त्तक रहेंगे।...हमें किसी आदर्श की प्राप्ति में अपना जीवन लगाना चाहिए। यदि हमें उसके लिए मरना भी पड़े तो वीरों की तरह मरना चाहिए। संसार में ऐसा ही जीवन सार्थक है।"

अमरपुरी

श्रीकृष्णदत्त पालीवाल